विजयनगर साम्राज्य के ताम्रपत्र की खोज

प्रिलिम्स के लिये:

[विजयनगर साम्राज्य](), [भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (ASI)](), [राजा कृष्णदेवराय](), [हम्पी](), [यूनेस्को द्वारा विश्व धरोहर स्थल](), [हज़ारा राम मंदिर](), [उग्र नरसिंह प्रतिमा]()

मेन्स के लिये:

विजयनगर साम्राज्य के दौरान सांस्कृतिक और साहित्यिक विकास, कृष्णदेवराय का साहित्यिक योगदान।

स्रोत: द हिंदू

चर्चा में क्यों?

हाल ही में, तमिलनाडु के तिरुवल्लूर ज़िले के **मप्पेडु गाँव स्थित श्री सिंगीश्वर मंदिर में 16वीं शताब्दी** के दो पृष्ठों वाले **ताम्रपत्र अभिलेख** के एक समूह की खोज की गई है।

- **तांबे की प्लेटों के दो पृष्ठों/पत्तों को** एक **अंगूठी की सहायता से** आपस में पिरोया गया है जिस पर **विजयनगर साम्राज्य की मुहर बनी हुई है।**
- चंद्रगिरी के राजा द्वारा ब्राह्मणों को एक गाँव दान में देने का उल्लेख करने वाला अभिलेख **संस्कृत और नंदीनगरी लिपि** में लिखा गया है। इसे राजा कृष्णदेवराय के शासनकाल के दौरान 1513 ई. में उत्कीर्ण किया गया था।

//

राजा कृष्णदेवराय कौन थे?

- **कृष्णदेवराय का शासनकाल:**
  - **विजयनगर साम्राज्य पर 1509 से 1529 ई. तक कृष्णदेवराय का शासन रहा।**
  - कृष्णदेव राय के बाद, **1530 ई. में अच्युत राय और** उसके बाद **1542 ई. में** सदा शिव राय ने शासन संभाला।
  - उन्हें **विभिन्न उपाधियों से जाना जाता था**, जिनमें **"कन्नड़राय (Kannadaraya)" और "कन्नड़ राज्य रामरमण (Kannada**

Rajya Ramaramana)" शामिल थे।
    - उन्हें **भारतीय इतिहास के सबसे महान राजनेताओं** में से एक माना जाता है तथा उन्हें मध्यकालीन दक्षिण भारत के सबसे महत्त्वपूर्ण शासकों में से एक माना जाता है।
- **साहित्यिक योगदान:**
    - वह एक **प्रख्यात विद्वान** थे और उन्होंने मदालसा चरित, सत्यवेदु परिणय, रसमंजरी, **जाम्बवती कल्याण (Jambavati Kalyana)** और **अमुक्तमालक्यदा (Amuktamalkyada)** जैसी **रचनाएँ लिखीं।**
    - अनेक भाषाओं में निपुण होने के कारण उन्होंने **संस्कृत, तेलुगु, तमिल और कन्नड़ में** लिखने वाले कवियों को सहयोग दिया।
- **शिक्षा और साहित्य का संरक्षण:**
    - उनके दरबार में **अष्टदिग्गज, आठ प्रमुख विद्वान शामिल थे**, उनमें **अल्लासानि पेद्दन्ना भी शामिल थे, जिन्हें आंध्र-कवितापितामह के नाम से जाना जाता था**, जो अपने कार्य **मनुचरितमु के लिये प्रसिद्ध थे।**
    - कन्नड़ कवि **थिमिन्ना ने कृष्णदेवराय के अनुरोध पर कन्नड़ महाभारत को पूरा किया** , जो मूल रूप से कुमार व्यास द्वारा शुरू किया गया था।
    - उनके शासनकाल के दौरान **अन्य उल्लेखनीय कवियों को संरक्षण प्राप्त हुआ।**
        - कन्नड़ **कवि मल्लनार्य, वीरशैवमृत और भावचितरत्न के लेखक।**
        - **चतु विट्ठलनाथ , जिन्होंने भागवत** लिखी।
        - **तिम्मन्ना कवि** अपनी स्तुति **कृष्णराय भरत** के लिये जाने जाते हैं।
        - तेलुगु कवि **पेद्दन्ना को तेलुगु और संस्कृत में उनकी दक्षता के लिये** सम्मानित किया गया।
- **सांस्कृतिक विकास:**
    - **कृष्णदेवराय** ने कर्नाटक संगीत परंपरा को पोषित करने में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाई।
    - **उन्होंने भरतनाट्यम और कुचिपुड़ी** सहित **शास्त्रीय नृत्य शैलियों** को भी प्रोत्साहित किया।
- **बुनियादी ढाँचा विकास:**
    - उन्हें **कुछ बेहतरीन मंदिरों के निर्माण** और **कई महत्वपूर्ण दक्षिण भारतीय मंदिरों में प्रभावशाली गोपुरम जोड़ने का श्रेय दिया जाता है।**
    - **उन्होंने विजयनगर के निकट अपनी माँ के नाम पर नागलपुरम** नामक एक उपनगरीय नगर भी बसाया।

विजयनगर साम्राज्य के प्रमुख बिंदु क्या हैं?

- **साम्राज्य की स्थापना और अवधि:**
    - विजयनगर **साम्राज्य की स्थापना** 1336 ई. से **दक्कन क्षेत्र** में हुई थी, **जिसकी स्थापना हरिहर (जिसे हक्का भी कहा जाता है)** और उनके **भाई बुक्का राय ने की थी।**
        - **उन्होंने हम्पी को राजधानी शहर** बनाया (जिसे **वर्ष 1986 में यूनेस्को द्वारा विश्व धरोहर स्थल घोषित किया गया)।**
        - विजयनगर साम्राज्य पर चार महत्त्वपूर्ण राजवंशों (संगामा, सलुवा, तुलुवा, अरविडु) का शासन था।
    - यह साम्राज्य **1336 ई. से लेकर लगभग 1660 ई. तक चला,** हालाँकि अंतिम शताब्दी में दक्कन सल्तनतों के गठबंधन द्वारा विनाशकारी पराजय के बाद इसे धीरे-धीरे पतन का सामना करना पड़ा, जिसके परिणामस्वरूप राजधानी पर कब्ज़ा कर उसे नष्ट का दिया गया।
- **पुर्तगाली संबंध:**
    - वर्ष 1510 के आसपास **पुर्तगालियों** ने विजयनगर के सहयोग से बीजापुर के सुल्तान के अधीन गोवा पर कब्जा कर लिया।
    - पुर्तगालियों ने विजयनगर साम्राज्य **को बंदूकें और अरबी घोड़े उपलब्ध कराए**, जबकि **कपास, चावल, चीनी, मसाले, नील और लकड़ी के सामान निर्यात किया गया।**
- **सांस्कृतिक एवं स्थापत्य कला का उत्कर्ष:**
    - **आमतौर पर यह माना जाता है कि कृष्णदेव राय के शासनकाल में** यह साम्राज्य अपने चरमोत्कर्ष पर पहुँच गया था, जिन्होंने दक्कन के पूर्व में उन क्षेत्रों पर विजय प्राप्त की थी जो पहले उड़ीसा का हिस्सा थे।
    - साम्राज्य के कई उल्लेखनीय स्मारक, जिनमें **हज़ारा राम मंदिर, कृष्ण मंदिर और उग्र नरसिंह प्रतिमा** शामिल हैं, उनके समय के हैं।
    - विजयनगर शासकों ने भव्य मंदिरों के निर्माण को बढ़ावा दिया, जैसे **विरुपाक्ष मंदिर और विट्ठल मंदिर**, जो अपनी जटिल नक्काशी और आश्चर्यजनक वास्तुकला के लिये जाने जाते हैं।
- **दक्षिणी भारत में प्रभुत्व:**
    - दो शताब्दियों से अधिक समय तक विजयनगर साम्राज्य ने **दक्षिणी भारत पर अपना प्रभुत्व बनाए रखा** और इस अवधि के दौरान यह भारतीय उपमहाद्वीप की सबसे शक्तिशाली साम्राज्य था।
    - यह साम्राज्य सिंधु-गंगा के मैदान के **तुर्क सल्तनतों के आक्रमणों के विरुद्ध रक्षा के रूप में कार्य करता था।**
- **दक्कन सल्तनत और मुगलों के साथ संघर्ष:**
    - विजयनगर साम्राज्य की स्थापना आंशिक रूप से **मुहम्मद बिन तुगलक के अधीन दिल्ली सल्तनत के कमज़ोर होने की प्रतिक्रियास्वरूप की गई थी,** जिसकी नीतियों के कारण दक्कन में अशांति का वातावरण था।
        - **अपनी राजधानी को दिल्ली से दौलताबाद स्थानांतरित करने के** उनके प्रयास और उनकी कठोर कर नीतियों के कारण विद्रोह हुए, जिससे विजयनगर सहित स्वतंत्र क्षेत्रीय राज्यों का उदय हुआ।
    - साम्राज्य का **अक्सर बहमनी सल्तनत के साथ संघर्ष होता रहता था**, जो दक्कन में तुगलक के नियंत्रण के पतन के बाद उभरा था।
    - दक्कन सल्तनत के साथ क्षेत्रीय संघर्ष, विशेष रूप से **रायचूर दोआब को लेकर,** विशुद्ध धार्मिक मतभेदों के बजाय सामरिक और आर्थिक संसाधनों के लिये प्रतिस्पर्द्धा से प्रेरित थे।
- **विजयनगर के अधीन शासन का क्षेत्र:**
    - अपने चरम पर, साम्राज्य **दक्षिणी भारत के विशाल क्षेत्र में फैला हुआ था,** जिसमें वर्तमान कर्नाटक, आंध्र प्रदेश, तमिलनाडु, केरल

और तेलंगाना के कुछ हिस्से शामिल थे।
    - यह **उत्तर में कृष्णा नदी से लेकर भारतीय प्रायद्वीप के सुदूर दक्षिणी सिरे तक** तथा पश्चिम में अरब सागर से लेकर पूर्व में बंगाल की खाड़ी तक फैला हुआ था।
- **गिरावट और पतन:**
    - वर्ष 1565 में**, तालीकोटा के युद्ध (रक्कसगी-तांगदागी की लड़ाई)** के परिणामस्वरूप मित्र देशों की दक्कन सल्तनतों द्वारा विजयनगर सेना की निर्णायक हार हुई।

नायक

- नायक **सैन्य कमांडर थे,** जिन्हें सेना के रखरखाव और वित्तीय योगदान के बदले में राजा द्वारा भूमि (अमरम) प्रदान की जाती थी।
- उन्हें अपने क्षेत्रों में पर्याप्त स्वायत्तता प्राप्त थी, वे स्थानीय प्रशासन और रक्षा का प्रबंधन करते थे तथा केंद्रीय सत्ता के प्रति वफादार बने रहते थे।
- नायक स्थानीय शासन के लिये ज़िम्मेदार थे, जिसमें **भूमि वितरण और कर संग्रह शामिल था तथा सामंती जैसी व्यवस्था बनी हुई थी।**
- समय के साथ, कुछ नायकों ने महत्त्वपूर्ण शक्ति प्राप्त कर ली, जिसके कारण केंद्रीय प्राधिकार, के साथ विशेषकर साम्राज्य के पतन के दौरान, संघर्ष हुआ।

दृष्टि मुख्य परीक्षा प्रश्न:

प्रश्न: विजयनगर साम्राज्य के दक्षिण भारत में सामाजिक-आर्थिक और सांस्कृतिक योगदान पर चर्चा कीजिये। इन योगदानों ने बाद के भारतीय इतिहास को कैसे प्रभावित किया?

यूपीएससी सिविल सेवा परीक्षा, पिछले वर्ष के प्रश्न (PYQ)

??????????:

प्रसिद्ध विरुपाक्ष मंदिर कहाँ स्थित है? (2009)

(a) भद्राचलम
(b) चिदंबरम
(c) हम्पी
(d) श्री कालहस्ती

उत्तर: (c)

?????:

Q. विजयनगर के राजा कृष्णदेव राय न केवल स्वयं एक कुशल विद्वान थे, बल्कि वे शिक्षा और साहित्य के महान संरक्षक भी थे। चर्चा कीजिये। (2016)

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/copper-plates-discovered-from-vijayanagara-kingdom